come groups has not so far been possible to be met by D.D.A. alone. Increase in the cost of construction, which is not a policy as such of D.D.A. is one of the factors inhibitng larger costruction of houses due to limited resources. Residential plots, however are allotted to persons belonging to middle and low income groups only by draw of lots and at pre-determined rates which are lower than the auctioned rates, as per Government policy.

(c) The Delhi Rent Control Act is under review.

(d) The pricing policy of D.D.A. houses and the auctioning policy in general are under review.

कटरा गढ़

5554. **श्री श्याम सुन्दर दास** : क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और संस्कृतिक स्थान कटरागढ़ (कटरा किला) जहां थाने और प्रखंड कार्यालय स्थित है तथा उक्त गढ़ की चारदीवारी के अवशेष अब भी मौजूद हैं ;

(ख) कटरागढ़ का पुराना नाम चौंमडा है और वह प्राचीन मिथिला साम्राज्य की राजधानियों में से एक था और वहां के श्री जयप्रकाश नारायण को गुप्तकालीन ताम्रपत्र दिया गया था जिसे उन्होंने तत्कालीन कमिश्नर श्रीधर वासुदेव साहनी आई० सी० एस० को सौंप दिया था—तथा श्री सोहनी ने वह ताम्रपत्र इस अनुरोध के साथ सरकार के सम्बन्ध विभाग को भेज दिया था कि इस स्थान की खुदाई करायी जाए और उसका संरक्षण कराया जाये ; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) और (ख). का उत्तर स्वीकारात्मक हो, तो सरकार का इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र): (क) जी, हां ।

(ख) कटरा गढ़ का स्थानीय नाम चौमुंड गढ़ है । मिथिला की प्राचीन राजधानी के रूप में इस स्थान का दावा किसी भी तरह अभी तक सिद्ध नहीं हुआ है । श्री जय प्रकाश द्वारा श्री एस० वी० सोहनी को दिया गया गुप्त काल का उत्तरकालीन ताम्रपत्र आजकल पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय द्वारा संचालित पटना संग्रहालय में संरक्षित है । राज्य का पुरातत्व निदेशालय, 1975 से कटरा गढ़ का उत्खनन कर रहा है ।

(ग) बिहार सरकार के पुरातत्व विभाग ने इस स्थल को अपने संरक्षण में लेने तथा आगामी कार्यकाल में और आगे उत्खनन करने का प्रस्ताव किया है ।

Chambal Bridge on the Agra-Bombay Highway

5555. SHRI SHAMBHU NATH CHATURVEDI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware that defective and sub-standard work at the Chambal Bridge on the Agra-Bombay Highway was reported as early as 1959 by a Junior Engineer, Shri Gurdayal Upadhyaya, supervising the work to his superior;

(b) whether the same piers 14 to 19 collapsed in 1973 about which the report was made;

(c) whether Shri Gurdayal was subjected to various types of harassments and placed under suspension in July, 1960 and has remained so far the last 17 years, to cover up the malpractices in the department and large scale pilferage of cement and other material; and

(d) whether in view of the seriousness of the allegations and the